(b) Promotions to the grades of Section Officers/Stenographers Grade 'B' are made in equal proportion through the limited departmental competitive examination and on the basis of seniority. Since the condition of age limit was not there for promotion on the basis of seniority, it was considered appropriate to remove this condition in respect of examination category.

(c) Yes, Sir.

(d) For determining the merit of a candidate for a senior Stenographic post, this performance in an examination, including his technical skill (i.e. stenography) has to be tested as a whole.

Visit of Area Welfare Officers to General Government Employees Consumer Cooperative Society Stores

1595. SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI : will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Department of Personnel and Administrative Reforms have asked its Area Welfare Officers to pay periodic and surprise visits to the retail stores run by the Central Government Employees Consumer Cooperative Socity Ltd. in various residential colonies so that any complaints and irregularities could be brought to the notice of the Department and to make suggestions for improvement in the working of the Socitey as well as provison of better amenities to the Central Government employees ;

(b) if so, sanctitiy of the order in view of the existence of a democratic set up of elected body of shareholders and the steps taken to withdran the direction of its officers and

(c) the resons for non-availability of essetial items with its retail outlets as also rationed commodites together with steps taken to ensure their easy and free availability at all times ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISYRY OF HOME AFFAIRS (SHRI NIHAR RAJAN) :

(a) Yes, Sir,

(b) The Society was set up as a welfare measure with a view to providing consumer articles of daily to the large body of Government servants living in the various residentia' colonies in Delhi/New Delhi. The Government is, therefore, interested to see that Society fulfils the objectives for which it was set up. The purpose behind the order is not to hamper the day to day activities of the Society, but only to have an independent source of information about the proper functioning of the retail stores. There is, therefore, no question of withdrawing the order.

(c) The society runs 37 retail stores spread all over Delhi/New Delhi and tries to ensure that all essential items of daily use (including rationeal commodities) are available at all times in all these stores. However, wehn there is heavy demand for particular items, shortages do occur sometimes but repleneshment of stock is done at the, earlist.

कागज के मूल्यों में वृद्धि

1956. **श्री निहाल सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कागज मिल मालिकों ने गत दो वर्षों के दौरान काज के मूल्यों को 2750 रुपए प्रति मी0 से बढ़ा कर 4200 रु० प्रति मी0 टन कर दिए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन कागज मिलों के नाम और पते क्या हैं जिन्होंने कागज के मूल्य बढ़ाये हैं; और

(ग) कागज का मूल्य जब 2750 रुपये प्रति मी० टन था तब प्रति मी० टन उत्पादन लागत (श्रमिकों की मजरी, विद्युत और कच्चा माल) कितनी थी और अब यह बढ़ कर कितनी हो गई है ?

उद्योग तथा इस्पात खान और मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) और (ख) कागज नियन्त्रण आदेश 1979 में यथा सफेद परिभाषी कागज को छोड़कर विभिन्न किस्म के कागज पर कोई भी कानूनी नियंत्रण नहीं है । कागज उद्योग ने अगस्त, 1974 में 2750/–रुपये प्रति मी० टन की दर से छपाई के सफेद कागज का संभरण करने का प्रस्ताव किया था । इसके पश्चात् कागज (नियंत्रण) आदेश 1979 के द्वारा छपाई के सफेद कागज के कारखाने से निकलते समय के मूल्य, समय-सयम पर निम्न प्रकार से बढ़ा दिये गये :—

तिथि	प्रति मी० टन मूल्य
30–6–1979	3000/–रु०
29–11–1980	3500/–रु०
24–12–1981	3200–रु /

(ग) वष 1974 मैं छपाई के सफेद कागज के संभरण के लिए जब 2750/– रुपये प्रति मी० टन का प्रस्ताव किया गया था, तब इसकी औसत लागत लगभग 2300 रु० प्रति मी० टन थो । 4200 रुपये मूल्य का अपेक्षाकृत अधिक मूल्य कुशलता वाले एककों के उत्पादन की भारित औसत लागत पर आधारित है जिसमें लागत अध्ययन के लिए चुकने गए छपाई के सफेद कागज के उत्पादक एककों का दो-तिहाई उत्पादन शामिल है ।

विभिन्न इस्पात और संयंत्रों में इस्पात का उत्पादन

1597. **श्री निहाल सिंह** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश के विभिन्न इस्पात संयंत्रों में कितने इस्पात का उत्पादन किया गया और प्रत्येक संयंत्र में इस्पात की कितनी अन-बिकी मात्रा पड़ी हुई है ; और

(ख) इस समय संयंत्रों में पड़े इस्पात का मूल्य कितना है और इसे विदेशी बाजार में बेचने के लिए क्या कार्यवाही की गयी है ?

उद्योग तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) और (ख) गत तीन वर्षों तथा इस वर्ष (अप्रैल-सितम्बर, 1982) के दौरान "सेल" के सवतोमुखी इस्पात कारखानों तथा "टिस्को" का विक्रेय इस्पात का उत्पादन इस प्रकहै :—

(हजार टन)

वर्ष	सेल के कारखाने	टिस्को
1979–80	4635	1447
1980–81	4766	1537
1981–82	5651	1605
1982–83 (अप्रल-सितम्बर, 1982)	2553	760